पतरस क पहिली पत्र

1 पतरस कइँती स, जउन ईसू मसीह क प्रेरित अहइ,
परमेस्सर क उ चुने भए लोगन क नाउँ जउन पुन्तुस,
गलातिया, कप्पदुकिया, एसिया अउर बिथुनिया क छेत्रन मँ
सब कहूँ फैले अहइँ। 2तू जेनका परमपिता परमेस्सर क पूर्व
गियान क हिसाब स चुना गवा अहइ, जउन अपनी आतिमा
क पवित्तर करइ जिनका ओनकइ आज्ञाकारी होइ खातिर
अउर जेनपइ ईसू मसीह क लहू छिड़काव स पवित्तर कीन्ह
जाइ क खातिर चुना गवा रहा तू पचन्क ऊपर परमेस्सर क
अनुग्रह अउर सांति ज्यादा स ज्यादा होत रहइ।

सजीव आसा

3हमरे पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर धन्य होइ।
मरे भए मँ स ईसू मसीह फिन जिअइ क कारण स ओकर
अपार करुणा मँ स सजीव आसा पावइ खातिर उ हमका
नवा जनम दिहे अहइ। 4जेहिसे सरग मँ सुरच्छित ढंग स
रखे भए अजर-अमर अउर जेनका नस्ट नाहीं कीन्ह जाइ
सकत सरगे मँ तोहरे बरे सुरच्छित अहइ। 5जे आपन
बिसवास दुआरा परमेस्सर स सुरच्छित अहइँ ओनका उ
उद्धार जउन समइ क अंतिम कोना मँ प्रकट होइ क हइ,
मिल जाइ। 6एह पइ तू बहुत प्रसन्न अहा। मुला अब तू
पचन्क तनिक बेर खातिर तरह तरह क इम्तहान मँ पड़िके
दुखी होब जरूरी अहइ। 7जेहिसे तू पचन्क जउन परखा
नासवान भवा बिसवास अहइ, जउन आगी मँ परखा नासवान
सोनो स ज्यादा कीमती अहइ, ओहका जब ईसू मसीह
परगट होई, परमेस्सर स प्रसंसा महिमा अउर आदर मिलइ
चाही। 8तू पचे ईसू मसीह क देखे नाहीं अहा, मुला तू पचे
ओसे पिरेम करत अहा। चाहे तू पचे ओका दइ नाहीं पाए
रह्या ह, मुला तबउ ओहमाँ बिसवास रखत अहा अउर एक
अइसे आनन्द स भरा भवा अहा जउन कहइ लायक नाहीं
अहइ अउर महिमावान अहइ। 9अउर तू पचे अपने
बिसवास क कारण लच्छ तक पहुँच रहे अहा जेहसे
आतिमा क तउ उद्धार होइ।

10इ उद्धार क बारे मँ उ नबियन बड़े मेहनत स पता
लगाइन हइ अउर बड़ी हुसयारी स पता खोजेन हइ, जउन
तउ प परगट होइवाले अनुग्रह क भविस्सबाणी क दिहे
रहेन। 11उ नबियन मसीह क आतिमा स इ जानिन जउन
मसीह प होइवाले दु:खन क बतावत रही अउर उ महिमा
जउन दु:खन क बाद परगट होई। इ आतिमा ओनका
बतावत रही। इ बातन इ दुनिया मँ कब होइहीं अउर तब इ
दुनिया मँ का होइ। 12ओनका इ देखाइ दीन्ह गवा रहा कि
उ बातन क प्रवचन करत भए उ पचे आपन सेवा खुदइ
नाही करत रहेन बल्कि तोहार सबन्क करत रहेन। उ बतियन
तू सबन्क सरग स पठए गए पवित्तर आतिमा क दुआरा तू
पचन क ओन लोगन स जउन सुसमाचार मिला जे तोहरे बरे
लिआवत रहेन। अउर उ बातन क जानइ क खातिर
सरगदूतन तरसत अहइँ।

पवित्तर जीवन खातिर बुलावा

13इ खातिर आपन दिमाग काम क बरे तइयार रखा
अउर अपने ऊपर नियंत्रण रखा। उ बरदान जउन ईसू मसीह
क परगट अहइ प तू पचन्क मिलइवाला अहइ, पूरी असा
रखा। 14आग्या मानइवाले बचवन क नाईं उ समइ क बुरी
इच्छन क हिसाब स अपने क न ढाला जउन तू पचन मँ
पहिले स रही जब तू पचे अग्यानी रह्या। 15बल्कि जइसे तू
सबन क उ परमेस्सर जउन सबन्क बोलावत अहइ पवित्तर
अहइ उहइ क तरह अपने करमन मँ पवित्तर बना। 16पवित्तर
सास्तरन मँ लिखा अहइ: "पवित्तर बना, काहेकि मइँ पवित्तर
अहउँ।"*

17अउर अगर तउ प्रत्येक करमन क हिसाब स पच्छपात
रहित होइके निआव करइवाले परमेस्सर क हे पिता! कहिके
पुकारत अहा तउ उ परमेस्सर सबन क संग बिना भेद-भाव
क निआव करत ह। तउ इ परदेसी धरती मँ अपने रहइ
वाले दिनन क इज्जत अउर परमेस्सर क डर क संग
बितावा। 18तू इ जानत अहा कि सोना या चाँदी जइसेन
वस्तुअन स तू पचे उ व्यर्थ जीवन स छुटकारा नाहीं पाइ
सकत अहा जउन तू पचन क तोहरे पूर्वजन स मिला बाटइ।
19बल्कि उ तउ तू पचन के निर्दोस अउर कलंक रहित
मेमने क समान मसीह क कीमती लहू स तू सबन क मिला
सकत ह। 20इ संसार क बनइ स पहिलेन ओहका चुन
लीन्ह गवा रहा मुला तू पचे खातिर अन्तिम दिनन मँ परगट
कीन्ह गवा ह। 21उ मसीह क कारण तू पचे उ परमेस्सर मँ
बिस्सास करत रह्या जउन मरे भएन मँ स जियाइ दिहेस
अउर महिमा दिहेस। इ तरह परमेस्सर मँ तोहारे आसा अउर
बिस्सास स्थिर अहइ।

22अब तू सत्य क पालन करत भए, नीक भाईचारा अउर
पिरेम क प्रदर्सित करइ खातिर अपने आतिमा क पवित्तर क
लिहे अहा, पवित्तर हिरदय क साथ परस्पर पिरेम क आपन
लच्छ बनाइ ल्या। 23तू नासमान क बीज स फिन स जीवन
प्राप्त नाहीं किहा ह बल्कि इ उ बीज क परिणाम अहइ
जउन अमर हइ। तोहार पुनर्जनम परमेस्सर क उ नीक सन्देस
स भवा अहइ जउन जिअत अहइ अउर हमेसा अटल रहत
ह। 24काहेकि पवित्तर सास्तर कहत ह,

पवित्तर … अहउँ लैव्य 11:44-45; 19:2; 20:7

“प्राणी त सबइ घास बराबर अहइँ, अउर ओनके सज,
धज सब घास क फूलन जइसी, घास सब सूख जात ह
अउर फूल उड़ जात हीं।
25मुला टिका रहत ह परमेस्सर क इ संदेसा सदा हीं।”
यसायाह 40:6-8

इ उहइ नीक संदेसा अहइ जेहका तोहका उपदेस दीन्ह गवा
ह।

सजीव पाथर अउर पवित्तर प्रजा

2 इहइ खातिर सब बुराइयन, छल-छदम पाखण्ड अउर
बैर-विरोधन अउर दुसर क दोख मढ़इ स अलग रहा।
2नवजात बचवन क तरह सुद्ध आत्मिक दूध खातिर
ललचावा करा जेहसे तोहार विकास अउर तोहका बचावा
जाइ सकइ। 3अब देखा तू पचे तउ परमेस्सर क अच्छाई क
स्वाद तउ लइ ही लिहे अहा।
4ओह क लगे आवा। उ सजीव “पाथर” अहइ। वहिका
संसारी लोगन क नकार दिहे रहा मुला उ परमेस्सर खातिर
बहुमूल्य अहइ अउर जउन ओकरे दुआरा चुना गवा अहइ।
5तू पचे भी सजीव पाथरन क तरह एक आत्मिक मन्दिर क
रूप मँ बनाइ जात अहा। जइसेन पवित्तर याजकन क रूप मँ
सेवा कइ सका। जेहमा कर्तव्य अइसेन आत्मिक बलिदानन
क समर्पित करब अहइ जउन ईसू मसीह क दुआरा परमेस्सर
क ग्रहण करइ लायक होइ। 6पवित्तर सास्तर मँ लिखा बा:

“देखउ, मइँ राखत हउँ सिय्योन मँ कोने क पाथर एक
जउन अहइ बहुमूल्य अउर अहइ चुना गवा अहइ जउन
ओह पइ जउन बिस्सास करी ओका कबहुँ क लजाइ न
परी।” *यसायाह 28:16*

7एकर मूल्य तउ ओहके बरे अहइ जउन बिस्सास करत हीं
मुला ओनके खातिर जउन बिस्सास नाहीं करत अहइँ:
“उ पाथर जेका सिल्पियन नकारिनि बन गवा सबन त
जियादा महत्त्वपूर्ण कोने क पाथर।”
भजन संहिता 118:22
8तथा उ बन गवा:
“एक पाथर जहाँ लोग ठोकर खाइ अउर अइसी चट्टान
जहाँ स मनई फिसल जाइँ।”
यसायाह 8:14

लोग ठोकर खात हीं काहेकि उ परमेस्सर क वचन क
पालन नाहीं करतेन बस ओनकइ इही नीत रही बाटइ।
9मुला तू तउ चुने भए लोग अहा, याजकन क राज्ज,
एक पवित्तर रास्ट्र एक अइसेन मनइयन जउन परमेस्सर क
आपन अहइँ, जइसेन तउ परमेस्सर क अचरज कारजन क
घोसणाा कइ सका।” उ परमेस्सर जउन तोहका अन्धकार स
अद्भुत प्रकास मँ बोलाएस ह। 10एक समइ रहा जब तू
परमेस्सर क लोग नाहीं रह्या। मुला अब तू परमेस्सर क
लोगन अहा। एक समइ रहा जब दया क पात्र नाहीं रह्या
मुला अब तू सबन प परमेस्सर दया देखाइस ह।

परमेस्सर खातिर जिआ

11पिआरे बन्धुअन, तू पचे इ संसार मँ अतिथि अउर
अजनबी क रूप मँ अहा एह बरे मइँ तू पचन स निवेदन
करत अहउँ कि उ सारीरिक इच्छन स दूर रहा जउन तोहारे
पचन क आतिमा स जूझत हीं।
12अबिस्सासियन मँ आपन व्यवहार एँतना नीक बनाए रहा
कि चाहे उ अपराधियन क रूप मँ तोहार सबन क
आलोचना करइँ मुला तोहरे नीक कर्मन क परिणाम सरूप
परमेस्र क आवइ क दिन मँ परमेस्सर क महिमा प्रदान
करा।

अधिकारी क आग्या माना

13पर्भू खातिर हर मनवीय अधिकारिक क अधीन रहा।
14राजा क अधीन रहा। उ सर्वोच्च अधिकारी अहइ।
सासकन क अधीन रहा। उ ओनका कुकर्ममियन क दण्ड
देइ खातिर अउर नीक काम क प्रसंसा करइ क खातिर भेजे
अहइ। 15काहेकि परमेस्सर क इहइ इच्छा अहइ कि उ
अपने नीक कर्मन क मूरखन क अगियान भरी बातन क
चुप कराइ देइ। 16स्वतंत्र मनइयन क तरह जिआ मुला
स्वतंत्रता क बुरे कर्मन क आड़ न बनइ द्या। परमेस्सर क
सेवक बनके जिआ। 17सबन क सम्मान करा। अपने धरम
भाइयन तथा बहिनियन स पिरेम करा। पमेस्सर प श्रद्धा
रखा। सासक क सम्मान करा।

मसीह की यातना क दिस्टान्त

18सेवको, यथोचित आदर क साथ अपने स्वामियन क
अधीन रहा। न केवल ओनके जउन नीक बाटेन अउर दूसरे
क खातिर चिन्ता करत अहइँ। बल्कि ओनके बरे जउन
कठोर अहइँ। 19काहेकि जदि कउनो परमेस्सर क उपस्थिति
क प्रति सचेत रहत भए यातना सहत ह अउर अन्याय झेलत
ह तउ उ प्रसंसनीय अहइ। 20मुला अगर बुरे करम क
खातिर तोहका पीटा जात ह अउर तू ओका सहत ह तउ
एहमाँ प्रसंसा क कउन बात अहइ, मुला अहगर तोहरे कर्मन
खातिर तोहका कस्ट दीन्ह जात ह तउ परमेस्सर क सामने
उ प्रसंसा क जोग्य अहइ। 21परमेस्सर तोहका इ खातिर
बोलाइस ह काहेकि मसीह हमरे बरे दु:ख उठाएस ह अउर
इ कइके हमरे बरे एक उदाहरण छोड़ेस ह ताकि मइँ
ओहका चरण चिन्हन प चल सकउँ।
22“उ (मसीह) कउनो पाप नाहीं किहेस अउर न ही
ओकरे मुँहे स कउनो छल की बात निकरी।” *यसायाह 53:9*
23जब उ अपमानित भवा तउ उ कउनो क अपमान नाहीं
किहेस अउर जब उ दु:ख झेलेस, उ कउनो क धमकी नाहीं
दिहस, बल्कि उ सच्चे निआव करइवाले परमेस्सर क आगे
आपन क अर्पित कइ दिहेस। 24उ क्रूस अपने देह मँ हमरे
पापन क ओढ़ लिहेस। जइसेन अपने पापन क प्रति हमार
मउत होइ जाइ अउर जउन कछू नेक अहइ मइँ ओकरे बरे
जिई, ई उ घावन क कारण भवा ह जेनसे तू पचे चंगे
कीन्ह गए रह्या। 25काहेकि तू भेड़न क समान भटके रह्या
अउर अब तू पचे अपने गड़िया अउर अपनी आतिमन क
बचइया लगे लउतटि आए अहा।

पत्नी अउर पति

3 इहइ तरह पत्नियन अपने पतियन क अधीनता मानत
रहइँ। जइसेन यदि ओनमाँ स कउनो परमेस्सर क
उपदेस क पालन नाहीं करतियन तउ उ पचे कछू तोहरे
पवित्तर अउर आदरपूर्ण चाल चलन स जीत लीन्ह जाइँ,
बिना कउनो बात-चीत क उ सबइ जउने तरह तू पचे अच्छी
तरह स रहित अहा। 2तोहार पति लोग तोहार पवित्तर जीवन
क देखिहीं जउन तरह तू पचे परमेस्सर क आदर देत भए
रहबिउँ। 3तोहार साज सिंगार बाहरी न होइ क चाही
महतलब जउन बात क चोटी गुहइ, सोने क आभूसण
पहिरइ अउर नीक नीक कपड़ा पहिरइ स होत ह। 4बल्कि
तोहार सिंगार तउ तोहरे भीतर क व्यक्तित्व होइ चाही जउन
कोमल सान्त आतिमा क अविनासी सौन्दर्य स युक्त होइ।
परमेस्सर क दृस्टि मँ जउन मुल्यावान होइ। 5काहेकि बीते
जुग मँ उ सबइ स्त्रियन क, अपने क सजावइ क इहइ ढंग
रहा, जइसेन ओनकर सबइ आसा परमेस्सर प टिकी अहइँ
उ पचे अपने पति क अधीन रहत रहिन। 6जइसेन इब्राहीम
क आग्या मानइवाली रहइवाली सारा जउन ओका आपन
सुआमी मानत रही। तू पचे भी अगर नीक काम करत
अहा अउर डेरात नाहीं अहा तउ सारा क बिटिया ही अहा।

7अइसेन ही तू सबइ पति लोगन, अपनी पत्नियन क
साथ समझदारी स रहा, काहेकि वह सारीरिक दृस्टि स
कमज़ोर अहइँ। जीवन क बरदान मँ ओनका आपन आपन
उत्तरधिकारी माना जइसेन तोहरे पराथना मँ बाधा पड़इ।

सत्कर्मन क खातिर दुःख झेलब

8आखिर मँ तू पचन क सान्ति स रहइ चाही। एक दूसर
क समझइ क कोसिस करा। एक दूसर स भाइयन क तरह
पिरेम करा। दयालु अउर नरम बना। 9एक बुराई क बदला
दूसर बुराई स न द्या कि गाली क बदले गाली द्या। एकरे
विपरीत आसीस द्या। काहेकि परमेस्सर तोह पचन क
आसीर्बास देइ बरे बोलाएस ह। इहइ स तू पचन्क परमेस्सर
क आसीर्बाद क उत्तराधिकार मिली। 10पवित्तर सास्तर कहत
ह:

"जउन जीवन आनन्द उठाइ चाही जउन समइ की
सद्गति क देखइ चाही ओका कि कबहूँ बुरा न बोलइ उ
अपने ओठन क छल वाणी स रोकइ

11बुराई स अपने क अलग रखइ। उ करइ सदा उ नेक
करमन क जउन अहइ नीक चाही ओका कर जतन सान्ति
पावइ चाही ओका अनुसरण करइ सान्ति क

12पर्भू की आँखियन अहइँ टिकी ओनहियन प जो नीक
अहइँ लागे कान पर्भू क ओनकी पराथना प पइ जउन
करत अहइँ बुरा करम मुँहना सदा फेरत अहइ पर्भू ओनसे।"

भजन संहिता 34:12-16

13अगर जउन उत्तम अहइ तू पचे उहि क करइ क
लालयित रहा तउ भला कउनो तोह सबन क नुकसान
पहुँचाइ सकत ह। 14मुला अगर तोहका भले क खातिर
दुःख उठावइ क पड़इ तउ तू सब धन्य अहा। "इहइ खातिर
कउनो क भय स भयभीत न रहा अउर न ही परेसान ह्वा
अउर न विचालित।"* 15अपने मन मँ मसीह क पर्भू क
प्रति नरम ह्वा, श्रद्धा स नत ह्वा! तू जउन बिस्सास रखत
अहा अगर कउनो ओकरे बार मँ पूछइ तउ सदा उत्तर देइ
क तइयार रहा।

16मुला विनम्रता अउर आदर क साथ अइसा करा।
आपन हिरदइ सुद्ध राखा जइसेन अपने अच्छे मसीह
व्यवहार स तोहरे नीक गुणन क निन्दा करइवाले तोहार
अपमान करत भए लजाइँ। 17अगर परमेस्सर क इहइ इच्छा
अहइ कि क अच्छा बाटइ अच्छे काम करत भए दुःख
उठावा इ नाहीं कि बुरा करत भए।

18काहेकि ईसू मसीह भी हमरे पाप खातिर दुःख
उठाइस। मतलब उ निर्दोस रहइ हम सबइ पापियन खातिर
एक बार मरि गवा ताकि हमका परमेस्सर क नगीचे लइ
जाइ। सरीर क भाव स तउ उ मारा गवा मुला आतिमा मँ
जियावा गवा। 19आतिमा क स्थिति मँ उ जाइके जउन जेल
मँ बंदी आतिमन रहेन ओन बंदी भइयन आतिमन क उपदेस
दिहेस। 20जउन उ समइ परमेस्सर क आग्या न मानइवाली
सबइ आतिमा रहिन जब नूह क नाव बनाई जात रही अउर
परमेस्सर बड़े धीरज क साथ प्रतीच्छा करत रहा। उ नाव मँ
थोड़ेन-मतलब आठइ मनई पानी स बचावा जाय सकेन। 21इ
पानी उ बपतिस्मा क तरह अहइ जेहसे अब तोहार उद्धारण
होत अहइ। बपतिस्मा सरीर क मैल क छोड़ावइ बरे नाहीं
अहइ, बल्कि सुद्ध अंतःकरण खातिर परमेस्सर स बिनती
अहइ। अब तउ बपतिस्मा तोहका ईसू मसीह क पुनरुत्थान
क दुआरा बचावत अहइ। 22उ ईसू सरग मँ गवा अउर
अब परमेस्सर क दाहिने हाथ बिराजमान अहइ अउर अब
सरगदूत, अधिकारियन अउर सबइ सक्तियन ओकरे अधीन
कइ दीन्ह गइ अहइँ।

बदला भवा जीवन

4 जब मसीह सारीरिक कस्ट उठाएस तउ तू पचे उहइ
मानसिकता क सास्सतर क तरह धारण करा काहेकि
जउन सरीर स दुःख उठावत ह उ आपन क छुटकारा पाइ
लेत ह 2इ बरे फिन मनइयन बुरी इच्छा क अनुसरण न
करइँ। बल्कि परमेस्सर क इच्छा क हिसाब क करम करत
भए अपने बाकी भौतिक जीवन क सर्मपित कइ देइँ।
3काहेकि तू अबहिं तलक अबोध व्यक्तियन क तरह विसय
भोग, सब वासना, पियक्कड़पन, उन्माद स भरे गए आमोद-प्रमोद,
मधूपान उत्सवन अउर घृणा-पूर्ण मूरति पूजा मँ बहोतइ
जियादा समइ बिताइ चुका अहा। 4अब जब तू जंगली अउर
निरर्थक रहन-सहन मँ साथ नाहीं देत अहा। तउ ओनका
अचरज होत ह। उ पचे तोहार निन्दा करत हीं। 5ओनका
जउन मर चुका अहइँ या जिन्दा अहइँ, अपने व्यवहार क
लेखा जोखा मसीह क देइ क पड़ी जउन ओनकइ निआव
करइवाला अहइ। 6इहइ बरे ओन बिस्सासियन क जउन मर
चुका बाटेन सुसमाचार क उपदेस दीन्ह गवा अहइ कि

इहइ … बिचालित यसायाह 8:12

सारीरिक रूप स चाहे निआव मनइयन क स्तर पइ होइ
मुला आत्मिक रूप स परमेस्सर क अनुसार रहइँ।

नीक प्रबन्धकर्ता बना

7उ समइ निकट अहइ अब सबइ कछू क अन्त होइ
जाई। एह बरे समझदार बना अउर अपने प काबू राखा
ताकि तोहका पराथना करइ मँ सहायता मिलइ 8अउर सबसे
बड़ी बात इ अहइ कि एक दूसरे क प्रति लगातार पिरेम
बनाए राखा काहेकि पिरेम स अनगिनत पापन क निवारण
होत ह। 9बिना कछू कहे सुने एक दूसर क स्वागत सत्कार
करा। 10जउन परमेस्सर कइँती स केउ क बरदान मिला ह,
ओका चाही कि परमेस्सर क नीक प्रबन्धकन क सामान,
एक दूसरे क सेवा खातिर ओका काम मँ लावइ। 11जउन
प्रबचन करइ, उ अइसा करइ मानो परमेस्सर स निकरे
बचनन क सुने रहा होइ। जउन सेवा करइ उ इ सक्ती स
करइ जेहमाँ परमेस्सर प्रदान करत ह जेहसे सबइ बातन मँ
ईसू मसीह क दुआरा परमेस्सर क महिमा होइ। महिमा अउर
सामर्थ्य सर्वदा उहइ क अहइ। आमीन।

मसीह क रूप मँ दुःख उठाउब

12पिआरे बन्धुअन, तोहरे बीच क ई अग्नि परीच्छा क
जउन तोहका परखइ खातिर होइ, ऐसे अचरज जिन करा
जइसेन तोहरे साथ कउनो अनहोनी घटना घटत होइ।
13बल्कि आनन्द मनावा कि तू पचे ईसू मसीह क सबइ
यातना मँ हिस्सा बटावत अहा। ताकि जब ओनकइ महिमा
परगट तउ तोहमाँ आनन्दित अउर मगन रहि सका। 14यदि
मसीह क नाउँ प तू पचे अपमानित होत अहा तउ तू ओका
सहा काहेकि तउ मसीह क अनुयायी अहा, तू धन्य अहा
काहेकि परमेस्सर क महिमावान आतिमा तोहरे साथ बाटइ।
15तउ तू पचेन मँ स कउनो हत्यारा चोर, कुकर्मी अथवा
दूसरे क काम मँ हस्तक्षेप करइवाला बनके दुःख न उठावइ।
16मुला अगर उ मसीही क अनुयायी होइ क कारण दुःख
उठावत ह तउ ओका लज्जित न होइ क चाही। ओका तउ
परमेस्सर इस नाउँ क बरे धन्यवाद देइ क चाही। 27काहेकि
परमेस्सर अपनेन परिवार स सुरू होइके निआव सुरू करइ
समइ आइ पहुँचा अहइ। अउर अगर इ हमहिन स सुरू
होत हतउ जउन परमेस्से क नीक सुसमाचार क स्वीकार
नाहीं कीन्ह होइ। ओनमाँ क होइ। 18अउर "यदि इ अच्छे
व्यक्ति क उद्धार क पाउब कठिन अहइ तउ परमेस्सर
विहीन अउर पापियन क साथे क होई।"*

19तउ फुन जउन परमेस्सर क इच्छानुससार दुःख उठावत
ह, ओनका नीक काम करत भए, उ बिस्सासमय, सिस्टी क
रचयिता क आपन-आपन आतिमा सौंप देइ क चाही।

परमेस्सर क जनसमूह

5 अब मइँ तोहरे बीच जउन बुजुर्ग अहइँ ओनसे निवेदन
करित हउँ मइँ खुद एक बुजुर्ग अहउँ अउर मसीह
जउन यातना झेलेस ह, ओके साच्छी हउँ, जउन ओकरे
भावी महिमा परगट होई ओकर सहभागी हउँ। 2राह
देखावइवाले परमेस्सर क जनसमूह तोहरी देख-रेख मँ अहइ
अउर निरीच्छक क रूप मँ तू ओकर सेवा करत अहा,
कउनो दबाव क कारण नाहीं बल्कि परमेस्सर क इच्छानुसार
अइसा करा कि अपनी इच्छा क कारण तू आपन इ काम
धन क लालच मँ नाहीं बल्कि सेवा करइ क प्रति अपनी
ततपरता क कारण करत अहा। 3देख-रेख क खातिर नाहीं
जउन तोहका सौंपा गवा अहइ तू ओनके सासक न बना।
बल्कि समूह बरे आदर्स बना। 4ताकि जब उ प प्रमुख
गड़ेरिया परगट होइ तउ तोहका विजय क उ भव्य मुकुट
प्राप्त होइ जेकर सोभा कबहूँ नाहीं घटतइ।

5इहइ तरह हे नवजुवको तू पचे अपने अपने धर्मवृद्ध क
अधीन रहा। तू पचे दूसरे क प्रति विनम्रता स सेवा करा।
काहेकि,

"करत ह परमेस्सर विरोध अभिमानी क मुला दीनन प,
अनुग्रहसील सदा ह।" *नीतिवचन 3:34*

6इ खातिर परमेस्सर क सक्तिसाली हाथन क नीचे अपने
आपको नवावा। जेहसे ठीक अवसर अवाइ प उ तोहका
ऊँचा उठावइ। 7तू पचे आपन सबइ चिन्ता ओह पइ छोड़
द्या काहेकि उ तोहरे खातिर चिन्तित अहइ।

8आपन प नियंत्रण राखा। सावधान रहा। तोहार सत्रु
सइतान एक गरजत सेर क तरह इधर उधर घूमत रहत ह
अउर इहइ ताक मँ रहत ह कि जउन मिलइ ओका फाड़
खावइ। 9तू ओकरे विरोध करा अउर अपने बिस्सास प अड़ा
रहा काहेकि तू तउ जानत अहा कि सारे संसार मँ तोहरे
भाई बहिन इहइ तरह क यातना झेलत अहइँ।

10मुला सम्पूर्ण अनुग्रह क स्रोत परमेस्सर जउन तोहका
ईसू मसीह मँ अनन्त महिमा क सहभागी होइ खातिर
बोकाइस ह, तोहरे तनिक समइ सबइ यातना झेलइ क बाद
खुदइ तोहका फिन स स्थापित करी, समर्थ बनाई अउर
स्थिरता प्रदान करी। 11सबहिं सक्तियन अनन्त अनन्त तलक
ओकरे अधिकार मँ अहइँ। आमीन।

पत्र क समापन

12मइँ तोहका इ छोट स पत्र, सिलवानुस क सहयोग स,
जेहका मइँ बिस्सास पूर्ण भाई मानित हउँ, तोहका प्रोत्साहित
करइ खातिर परमेस्सर क सच्चा अनुग्रह उहइ अहइ, इहइ
बात क साच्छी देइ क खातिर लिखेउँ, इहइ प अड़े रहा।

13बेबीलोन क कलीसिया जउन तोहरे समान परमेस्सर
दुआरा चुनी गइ अहइ, तोहका नमस्कार करत अहइ। मसीह
मँ मोरे बेटवा मरकुस क तोहका नमस्कार। 14पिरेमपूर्ण
चुम्बन स एक दूसरे क स्वागत सत्कार करा। तू सबइ क,
जउन ईसू मसीह मँ अहइँ, सान्ति मिलइ।

याद … होइ नीतिवचन 11:31